कक्षा–8
पुस्तक– मंथन
पाठ– 9 अपराजिता

मौखिक प्रश्न

उत्तर 1. डॉक्टर चंद्रा
उत्तर 2. माइक्रोबायोलॉजी
उत्तर 3. प्रोफेसर सेठना
उत्तर 4. शारदा सुब्रह्मण्यम
उत्तर 5. जर्मन भाषा

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर 1. क्योंकि चंद्रा बिना किसी सहारे के अपने निर्जीव निचले धड़ को बड़ी दक्षता से नीचे उतारकर बैसाखी के सहारे व्हीलचेयर में बैठ गई और बड़ी तटस्थता से उसे स्वयं चलाती हुई कोठी के भीतर चली गई।

उत्तर 2. डॉक्टर चंद्रा को, क्योंकि उसका कमर से नीचे का हिस्सा पोलियोग्रस्त था।

उत्तर 3. जन्म के अठारहवें महीने में

उत्तर 4. देवांगना से, नियति के कठोर आघात को धैर्य और साहस से झेलती थी।

उत्तर 5. ट्रेन से गिरने की वजह से उसका दायाँ हाथ चला गया था, जिसे वह बर्दाश्त नहीं कर पाया और उसी विछिन्न भुजा के साथ–साथ धीरे–धीरे वह मानसिक संतुलन खो बैठा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर 1. डॉक्टर चंद्रा की कोठी का अहाता लेखिका के बंगले के अहाते से जुड़ा हुआ था। लेखिका रोज उसे कार से उतरकर बैसाखी के सहारे व्हील चेयर में बैठकर, उसे स्वयं चलाते हुए कोठी में जाते देखती। वह नित्य उसका विचित्र आवागमन देखती और और इस तरह से धीरे–धीरे उससे परिचय हो गया।

उत्तर 2. व्यर्थ पैसा बर्बाद ना करें, आपकी पुत्री जीवन भर केवल गर्दन ही हिला पाएगी, संसार की कोई भी शक्ति इसे रोग मुक्त नहीं कर सकती।

उत्तर 3. क्योंकि चंद्रा अपंग थी, मदर को उससे सहानुभूति थी पर समस्या यह थी कि चंद्रा के आने से दूसरे बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ता।

उत्तर 4. कठिन साधना का सुखद अंत चंद्रा की माँ के लिए कहा गया है क्योंकि उन्होंने बेटी का आत्मविश्वास बढ़ाया, आत्मनिर्भर बनाया, हौसला बढ़ाया,अपनी परवाह ना करते हुए अपने सारे सुख त्याग कर छाया बनी पुत्री के पीछे चक्र सी घूमती हुई उसे डॉक्टरेट दिलवाया।

उत्तर 5. बचपन में डॉक्टर के यह कहने पर कि चंद्रा गर्दन के नीचे का हिस्सा नहीं हिला पाएगी सिर्फ आँख ही हिला पाएगी, यह सुनकर भी उसकी माँ ने हार नहीं मानी,मदर ने विद्यालय में प्रवेश लेने से मना किया, व्हीलचेयर लेकर उसे कौन घुमाएगा तो खुद ही बेटी के साथ पूरा दिन विद्यालय में रहती। जब वह बड़ी हो गई तो शोध कार्य के लिए पेंसिलवानिया से व्हीलचेयर मंगवाया, जिससे प्रयोगशाला में आसानी से घूम सकती।